

66/63

8/12/2012

4)



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

053442



विक्रय विलेख

विक्रय मूल्य : ₹ 19,88,875/-
 भावनात्मक मूल्य : ₹ 30,00,000/-
 स्थापित मूल्य : ₹ 2,00,000/-
 परगना : विजयनगर

यह विक्रय विलेख मंगवानदीन व देवकी नन्दन पुत्र
 शिवनारायण निवासी- मुखमफर नगर फुसवल, परगना
 विजयनगर, तहसील व जिला लखनऊ जिन्हें जमीन विक्रेता

मंगवानदीन देवकी नन्दन

For Mr. Mangwanadin Devidan Nandan, Ltd.

Authorised Signatory

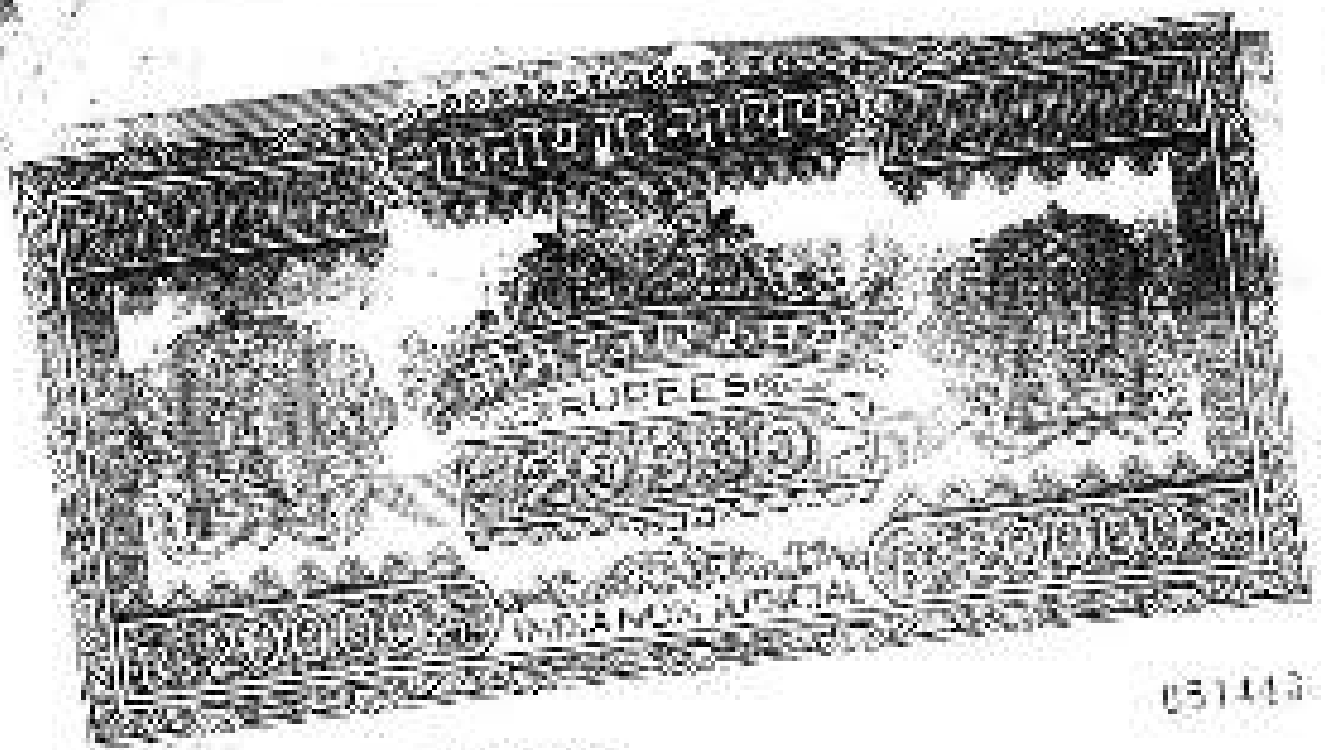
आपकी सेवा के लिये
 धन्यवाद
 आपका विश्वसनीय
 मित्र
 श्री. [Signature]
 [Signature]

₹. 100000/-
 200000/-
 1000000/-

श्री. [Signature] जी महोदय -
 मैं आपकी सेवा के लिये
 धन्यवाद करता हूँ।
 आपका विश्वसनीय
 मित्र
 श्री. [Signature]
 [Signature]

₹. 100000/-

श्री. [Signature] जी महोदय -
 मैं आपकी सेवा के लिये
 धन्यवाद करता हूँ।
 आपका विश्वसनीय
 मित्र
 श्री. [Signature]
 [Signature]



051443

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

-2-

कहा गया है एवम् केयरफुल रिजल स्टेट प्राइवेट लिमिटेड
 रजिस्टर्ड आफिस- 1101 टार्लेस्टोन फाउन्स, टार्लेस्टोन
 मार्ग, नई दिल्ली. वर्तमान पता-श्री १३-राणा प्रताप मार्ग लखनऊ
 नार्थ ०५एम०सी०ए० बिल्डिंग, १३-राणा प्रताप मार्ग लखनऊ
 द्वारा अधिकृत दस्तावेजी श्री के०के०एसिड, पुत्र २८ महेंद्र
 सिंह वर्तमान एवं रजिस्टरी पता-श्री १३-राणा प्रताप मार्ग लखनऊ
 बिल्डिंग, १३-राणा प्रताप मार्ग लखनऊ जिन्हें आप प्रेषण
 कहा गया है के कदम निम्नलिखित किया गया।

आज्ञा नमो देवदत्त

THE STATE OF UTTAR PRADESH
 GOVERNMENT
 SECRETARY



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

1000

- 1 -

रुड कि विक्रेत गूनि खसरा नं 79 रुकबा 0.313, खसरा
नं 137 रुकबा 2.021, खसरा नं 140 रुकबा 0.443, खसरा नं
164स रुकबा 0.052, खसरा नं 181स रुकबा 0.023, खसरा नं
238 रुकबा 0.089, खसरा नं 278 रुकबा 0.506, खसरा नं 304
रुकबा 0.114 कुल रुकबा 3.249 के 1/2 भाग अर्थात् 1.6246
हेक्टेयर, न खसरा नं 57 रुकबा 0.387 हेक्टेयर, खसरा नं
144 रुकबा 0.152 हेक्टेयर, खसरा नं 292 रुकबा 0.215
हेक्टेयर कुल रुकबा 0.734 हेक्टेयर के 1/4 भाग 0.1835
हेक्टेयर कुल रुकबा 1.809 हेक्टेयर, स्थित ग्राम मुजवफार नं 4

For Sale
[Signature]



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

11111

11111

-4-

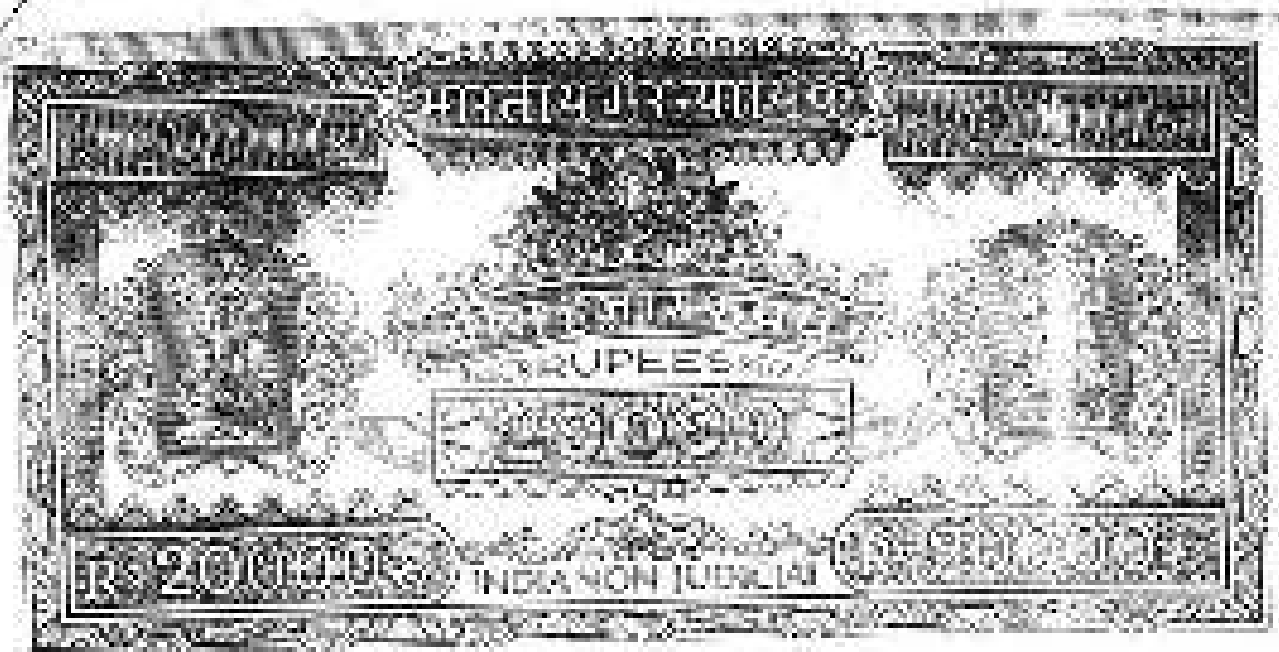
हुसैन, परगना-बिहार तहसील व जिला लखनऊ का मालिक, कानिज व कश्मिर है तथा उपरोक्त सम्पत्ति पटराशिक खाता खर्चीनी क्रम संख्या १४४ व ११४ के अनुसार भूमि बिलेता के नाम का अमल परामर्श राजस्व अभिलेखों में हो गया है। बिलेता अपना सम्पूर्ण हिस्सा बिलेता को इस विक्रय बिलेता द्वारा विक्रय कर रहा है बिलेता उपरोक्त सम्पूर्ण भूमि के मालिक, कानिज व कश्मिर है एवं वर्तमान समय में उक्त भूमि भूमि भूमि है, और यह कि बिलेता यह घोषित करता है कि उपरोक्त वर्गीकृत भूमि सभी प्रकार के भारों से मुक्त एवं साफ व स्वच्छ है तथा

महोदय। 11/11/11

11/11/11

11/11/11

11/11/11



1151447

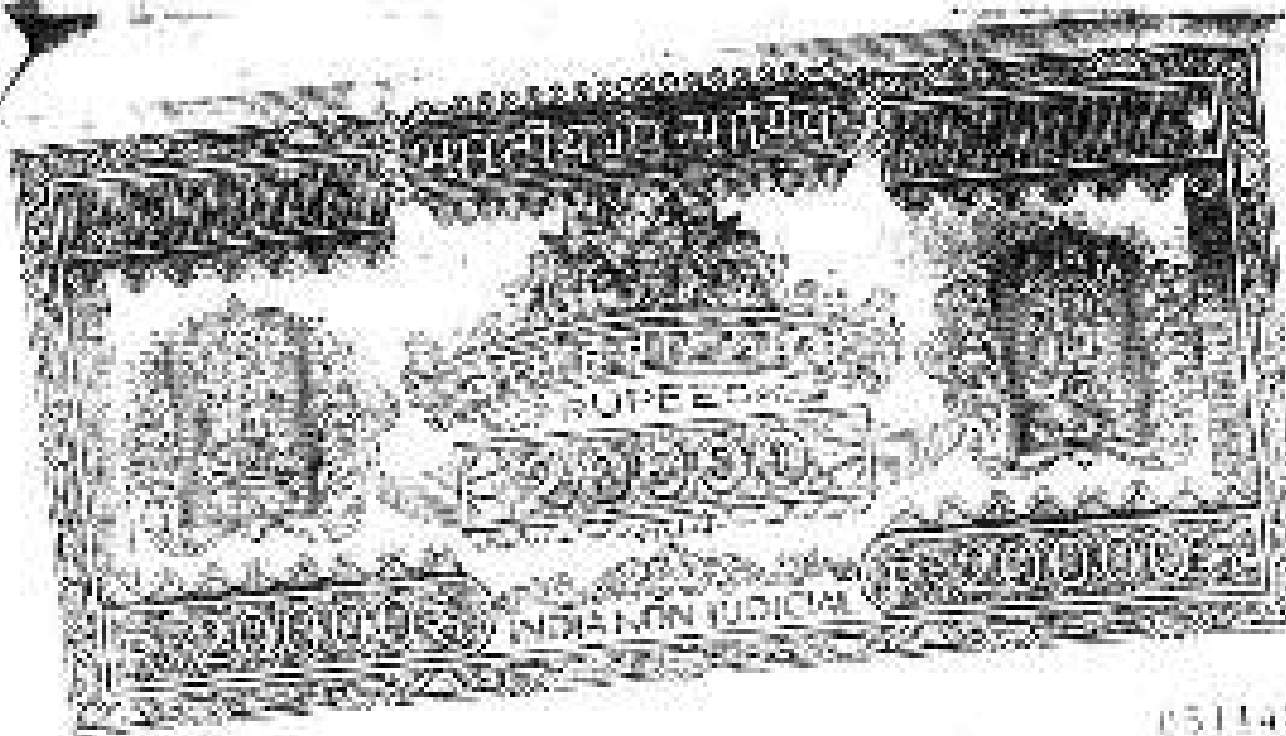
- 6 -

की इस विवेक से अन्त में दो सौ अनुसूची में वर्णित विधि से अनुसार भुगतान कर दिया गया है। एतद्विषयी प्राप्ति से विवेक यहाँ स्वीकार करता है, तदनुसार उक्त विक्रेता उक्त क्रेता के द्वारा संप्रसारित वर्णित भूमि, जिसका विवरण इस विक्रेता विवेक से अन्त में अनुसूची के अर्न्तगत दिया गया है, को कतई बेच दिया है, एवं विक्रेता ने दिखानेवाला हुमे का मोटा पर कच्चा क्रेता को बखूबी फल दिया गया है। अब उक्त आराजी पर विवेक तथा उसके परिचालन का कोई अधिकार नहीं है। विवेक ने दिखानेवाला सन्तति को अपने स्वामित्व से समस्त

[Handwritten signature]

800

[Handwritten mark]



अधिकारों के साथ मेलना न होना के लिए देता जो
 असाधारण कर दिया है। अब देता विवायशुदा सम्पत्ति एवं
 उसके प्रत्येक भाग को अपने एकमात्र स्वामित्व व अधिकार में
 रखे। सम्पत्ति के रूप में धारण एवं उपयोग व उसकी
 रखरखाव। विवेका उसमें किसी प्रकार की अशुभता काया नहीं हो
 सके। एवं न ही कोई भाग कर सके। और यदि विवेकशुदा
 सम्पत्ति अथवा कोई भाग विवेका के स्वामित्व में भुटि के कारण
 या कानूनी अशुभता या कानूनी भुटि के कारण देता या उस
 वास्तविक निष्पादन इत्यादि के कले या अधिकार या स

22/01/1960 देना 1/1/60



CE 1449

- 3 -

से लिखा जाये हो केना एषको यास्मान निम्नलिखित इत्यदि
 जे यह एउ होन कि एउ अपना समस्त नुकसान नय हर्जा न
 व्यय, विवेका की बल, क्षमर सम्पत्ति से परिये अदालत पचुल
 कर ऐ। उस रिफा मे दिखेता एवं समस्त परिस्थान हर्जा न
 खर्च देने हेतु बाध्य होगे।

तह कि केना विक्रयानुस शर्षटि की शक्तिन धारिण
 राज्य अलिखेते ने अपने नाम दर्ज करा ऐ तो दिखेता को
 कोई अपरि न होने और यह कि इस विक्रय विलेख को पूर्व
 का अगर कोई लगाया किसी तरह का भार इस सम्पत्ति पर

20101018/...

20101018

...



11.1.74

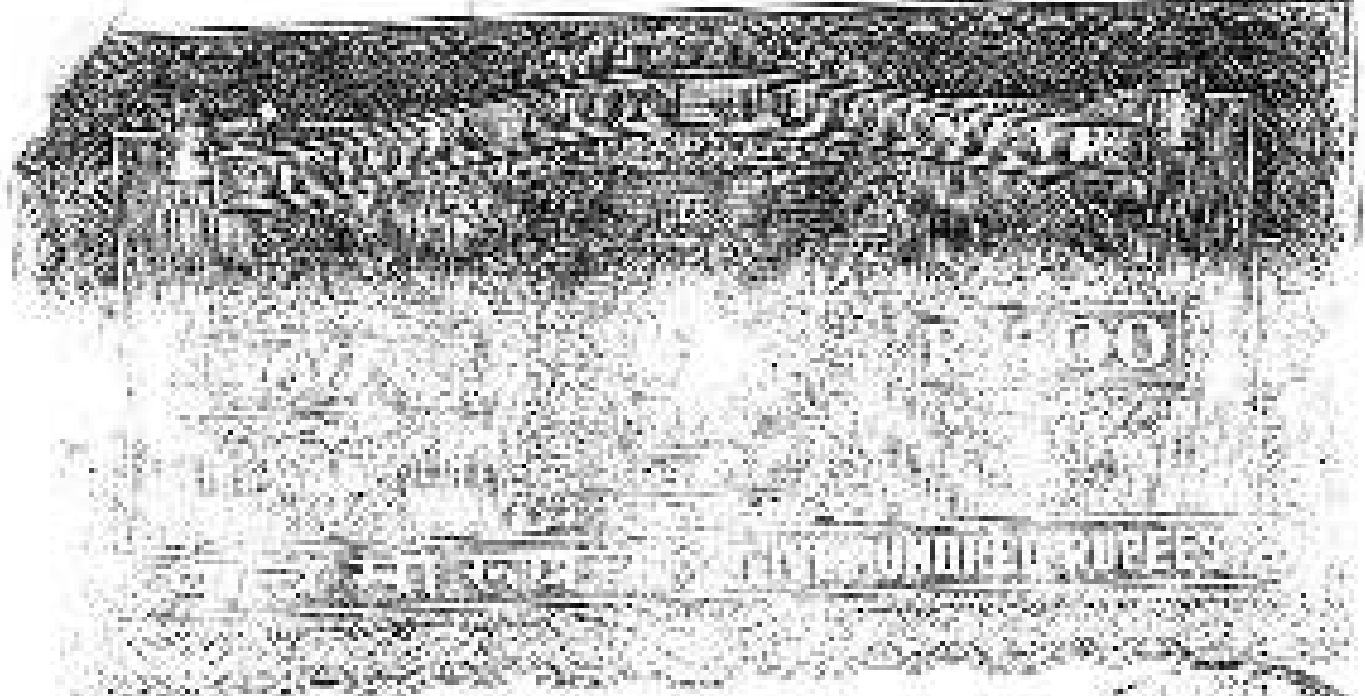
- 5 -

होगा जो उसको विक्रीत भूखतान व पट्टा करमें जितना को कोई आपत्ति न होगी।

यह कि उपरोक्त ससरा नम्बर 340 नुमाफकर नगर पुरावल अर्धनगरीय क्षेत्र के विविध नाम के आवांजत आर है इसलिए निर्धारित सरकित रेट रु० 11,00,000/- इति डेसंवर के हिसाब से विक्रीत भूमि 0.450 हेक्टेयर की मालियत रु० 19,80,800/- होती है तथा उक्त भूमि पर 8 पेड़ एवं 8 छिनकी मालियत रु० 20,000/- होती है इस प्रकार भूमि का कुल मालियत रु० 20,00,800/- होती है। विवरण मूल्य भूमि

(Signature) 20.01.74

(Signature)



इस विषय में विवरण का संग्रह कर लिया गया है।

लिखना यह कि यह किताब है जो कि किताब के पक्ष में लिख दिया जाकि सन्दर्भ रहे और आवश्यकता पड़ने पर काम आये।

परिशिष्ट : विवरण विषयशुद्ध सम्पत्ति का विवरण

गुनि संख्या नं 79 रकम 0.013, संख्या नं 137 रकम 2.393,
संख्या नं 140 रकम 0.443, संख्या नं 14481 रकम 3.033,

2-12-2014 दिनांक पर
[Signature] [Signature]

भारतीय नगर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

INDIA NO.

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

-12-

खसरा नं० 161 न रकबा 0.023, खसरा नं० 229 रकबा 0.098,
खसरा नं० 273 रकबा 0.598, खसरा नं० 307 रकबा 0.114 कुल
रकबा 3.249 के 1/2 भाग अर्थात् 1.6245 हेक्टेयर व खसरा
नं० 67 रकबा 0.387 हेक्टेयर, खसरा नं० 144 रकबा 0.152
हेक्टेयर, खसरा नं० 292 रकबा 0.216 हेक्टेयर कुल रकबा 0.
734 हेक्टेयर के 1/4 भाग 0.1835 हेक्टेयर कुल रकबा 3.813
हेक्टेयर स्थित ग्राम गुजवर नगर पुलिस बसना-मिलान,
तहसील गंजिमा, जिला, लखनऊ, गिरणी धौबरी निम्न है

अन्तर्गत दिनांक १६/११/२०२०

१०

१०



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

- 12 -

संख्या 70/72

संख्या	: संख्या संख्या-72
संख्या	: संख्या संख्या-72
संख्या	: संख्या संख्या-71
संख्या	: संख्या संख्या-71

संख्या 70/137

संख्या	: संख्या संख्या-137, 138, 139
संख्या	: संख्या संख्या-134, 135, 136, 122

संख्या 70/137 संख्या 70/137

137

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

STATE OF UTTAR PRADESH

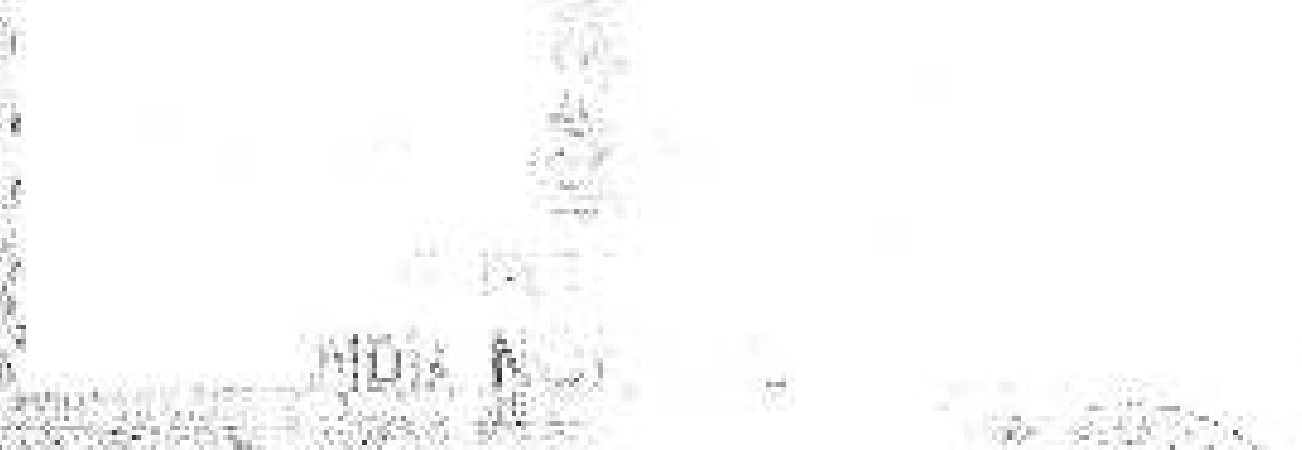
- 14 -

गुरु	: खसरा संख्या—153, 181
महिष	: खसरा संख्या—130, 136, 140, 165
<u>खसरा नं० 140</u>	
खसरा	: खसरा संख्या—154, 155
महिष	: खसरा संख्या—136, 138
गुरु	: खसरा संख्या—137, 139, 138
महिष	: खसरा संख्या—108, 145, 143

25.10.1964

भारतीय युवा-व्याधि

संस्कृत-संस्कृत D-150



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

- 11 -

संख्या 144/1

- उत्तर : संख्या-145, 150,
- दक्षिण : संख्या-153
- पूर्व : संख्या-152, 154
- पश्चिम : संख्या-104

संख्या 161/1

- उत्तर : संख्या-163, 169
- दक्षिण : संख्या-133

महोदय के निदेशानुसार
 For Fair Copy to the Editor, Secy. Genl.
 Authorised Signature

संख्या : 247

संख्या : 127

असरा नं 236

संख्या : 234, 250

संख्या : 237

संख्या : 283

संख्या : 295

असरा नं 278

संख्या : 276

संख्या : 289, 290,

281, 282, 283, 284, 285

संख्या : 260, 261, 262,

263, 264, 265

असरा नं 304

संख्या : 303

संख्या : 291

असरा नं 304

304

304

पुरुष : उत्तरा संख्या-308

परिवार : उत्तरा संख्या-309

उत्तरा नं 37

उत्तरा : उत्तरा संख्या-32

परिवार : उत्तरा संख्या-33, 34

पुरुष : उत्तरा संख्या-35, 36

परिवार : उत्तरा संख्या-37, 38

उत्तरा नं 144

उत्तरा : उत्तरा संख्या-145, 150

परिवार : उत्तरा संख्या-143

पुरुष : उत्तरा संख्या-152, 154

परिवार : उत्तरा संख्या-154

उत्तरा नं 292

उत्तरा : उत्तरा संख्या-294, 297

परिवार : उत्तरा संख्या-297

पुरुष : उत्तरा संख्या-299, 263

परिवार : उत्तरा संख्या-283

अ. ३ (८) नं ६ की धारा के अन्तर्गत

परिशिष्ट : भुगतान विवरण

1. विजेता नं. रजि. 3, 005/2000 का बाया पैक संख्या- 453/1
दिनांकित 06.06.2000 पंजाब नेशनल बैंक इण्डिया
लखनऊ क्रेता से प्राप्त किया।
2. विजेता नं. रजि. 4, 54, 400 का बाया पैक संख्या- 453/2
दिनांकित 06.06.2000 पंजाब नेशनल बैंक इण्डिया
लखनऊ क्रेता से प्राप्त किया।
3. विजेता नं. रजि. 5, 000/2000 का बाया पैक संख्या- 453/3
दिनांकित 06.06.2000 पंजाब नेशनल बैंक इण्डिया
लखनऊ क्रेता से प्राप्त किया।
4. विजेता नं. रजि. 494, 400 का बाया पैक संख्या- 453/4
दिनांकित 06.06.2000 पंजाब नेशनल बैंक इण्डिया
लखनऊ क्रेता से प्राप्त किया।

453/1 का 16/6/00 दिनांकित

(16)

श्री एच. सुत पिताजी ७० बी १३०५१००/- (श्रीमान
एच. सुत पिताजी ७० बी १३०५१००/- के साथ
श्री एच. सुत पिताजी ७० बी १३०५१००/- के साथ)

हस्ताक्षर
दिनांक ०८/०८/१९८६

२०/०८/१९८६

विशेषज्ञ/अधीक्षक

गुप्तार्थ

१. श्रीमान सुत पिताजी ७०
श्रीमान सुत पिताजी ७०
श्रीमान सुत पिताजी ७०

विशेषज्ञ

श्री एच. सुत पिताजी ७० बी १३०५१००/-

श्रीमान सुत पिताजी ७०
श्रीमान सुत पिताजी ७०

२. श्रीमान सुत पिताजी ७०
श्रीमान सुत पिताजी ७०
श्रीमान सुत पिताजी ७०

हस्ताक्षर

(श्रीमान सुत पिताजी)

हस्ताक्षर

(श्रीमान सुत पिताजी)
श्रीमान सुत पिताजी

1. The first part of the report is a general description of the project and its objectives. This section should be written in a clear and concise manner, using simple language and avoiding technical jargon. It should also include a brief history of the project and a statement of the problem being addressed.

2. The second part of the report is a detailed description of the methodology used in the study. This section should be written in a clear and concise manner, using simple language and avoiding technical jargon. It should also include a brief history of the project and a statement of the problem being addressed.

3. The third part of the report is a detailed description of the results of the study. This section should be written in a clear and concise manner, using simple language and avoiding technical jargon. It should also include a brief history of the project and a statement of the problem being addressed.



4. The fourth part of the report is a detailed description of the conclusions of the study. This section should be written in a clear and concise manner, using simple language and avoiding technical jargon. It should also include a brief history of the project and a statement of the problem being addressed.



Date:

Page:



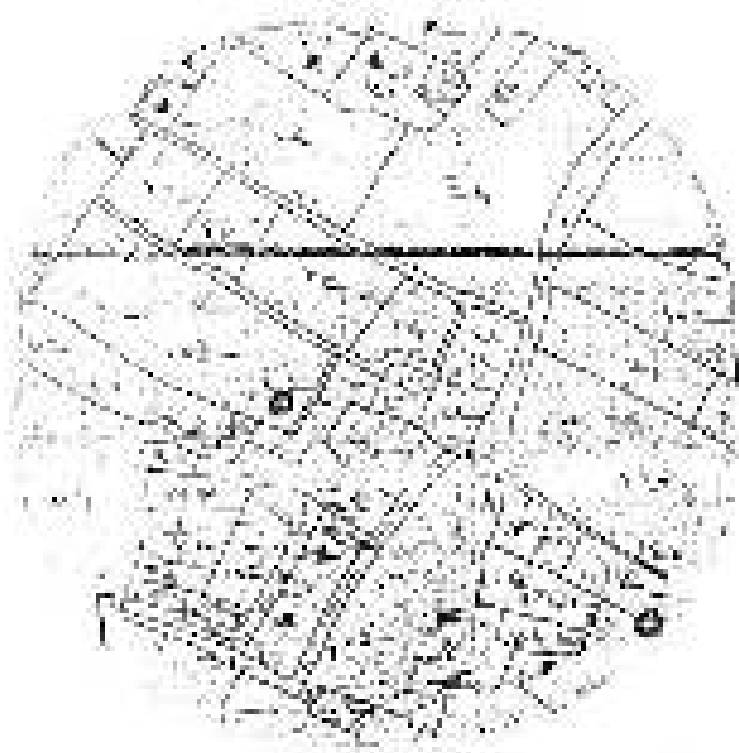
सर्वप्रथम, प्रत्येक व्यक्ति को

कहा जाता है

कि वह

अपनी

समस्या



संज्ञित

है

संज्ञित

संज्ञित



संयुक्त राज्य अमेरिका के विकास के लिए
प्रयत्न

पृष्ठ 4

संयुक्त राज्य अमेरिका के विकास के लिए
प्रयत्न



संयुक्त राज्य अमेरिका के विकास के लिए
प्रयत्न

For Fair Growth Res. Est. 1954-55
Author's Signature



सर्वप्रथम सर्वोच्च न्यायालय

पृष्ठ सं.

पृष्ठ सं.

पृष्ठ सं.

पृष्ठ सं.



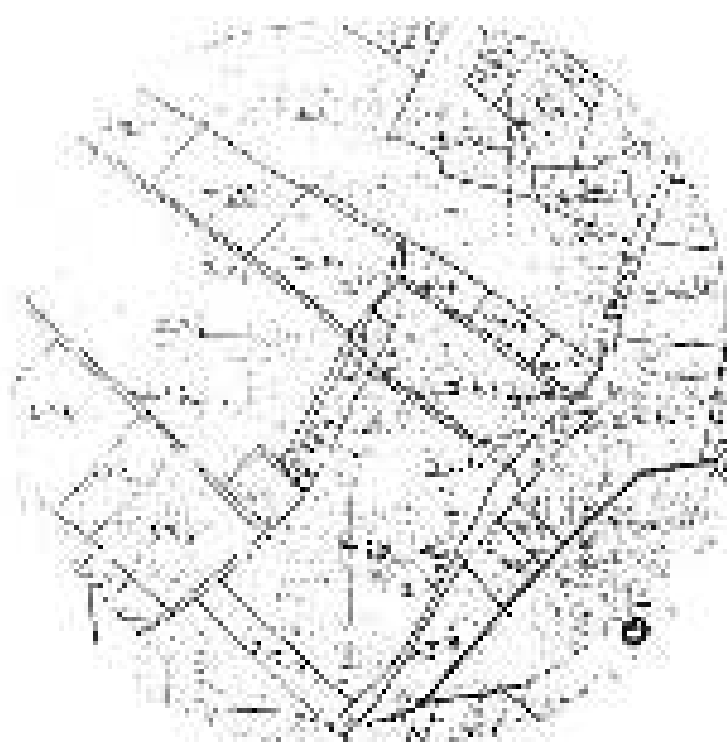
सर्वप्रथम सर्वोच्च न्यायालय

पृष्ठ सं.



મા ડાહ્યા ભરખખર વગના નિઠનર ડાહ્યાન ર
 [સંકેત]

સંકેત ડાહ્યા
 સંકેત સંકેત



સાધારણ
 સંકેત સંકેત

સંકેત

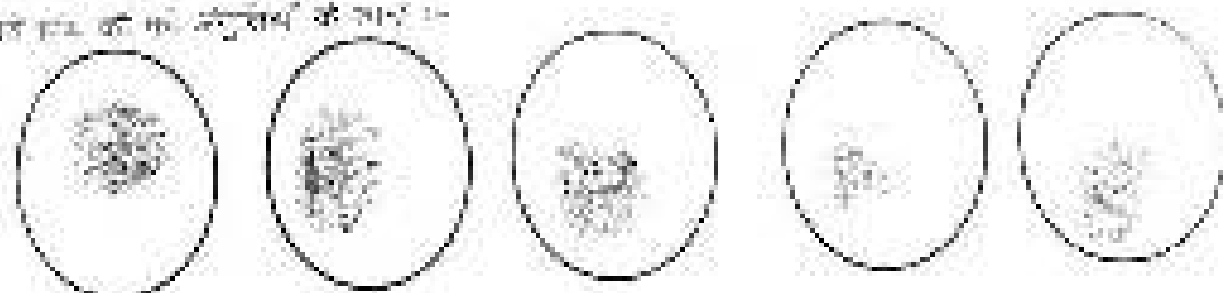
સંકેત

સંકેત

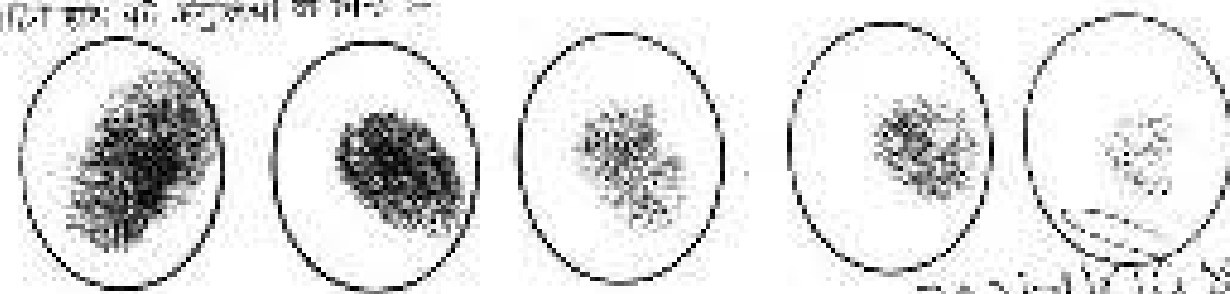
रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा - 32 द्वारा - 32 रुप के अनुपात में
किंगडम प्रिन्टर्स

प्रमाणित किया गया नाम व पता - ... दिल्ली ...

बाएं हाथ की की अंगुलियों के निश -



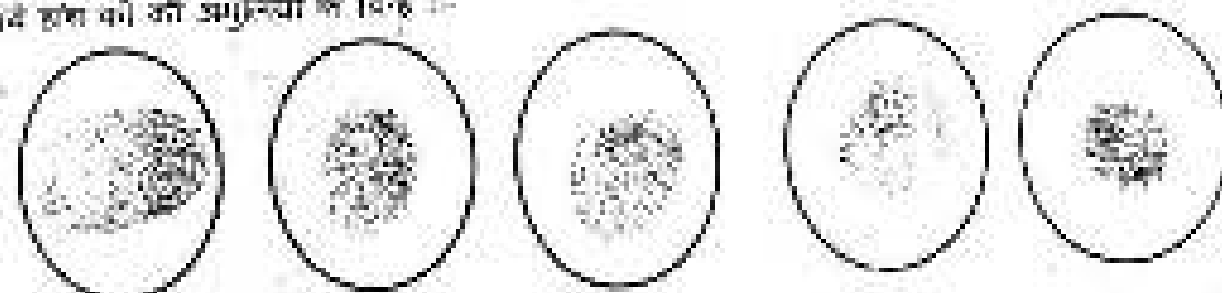
दाहिने हाथ की अंगुलियों के निश -



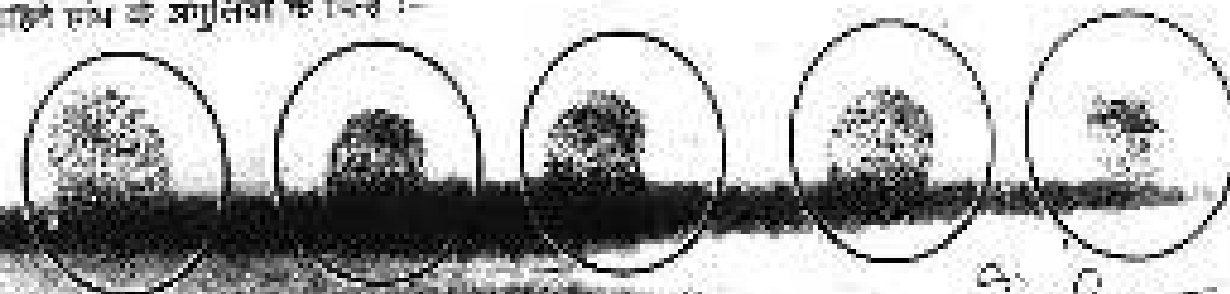
20/10/19...

प्रमाणित किया गया नाम व पता - ... दिल्ली ...

बाएं हाथ की की अंगुलियों के निश -



दाहिने हाथ की अंगुलियों के निश -



दिल्ली ...

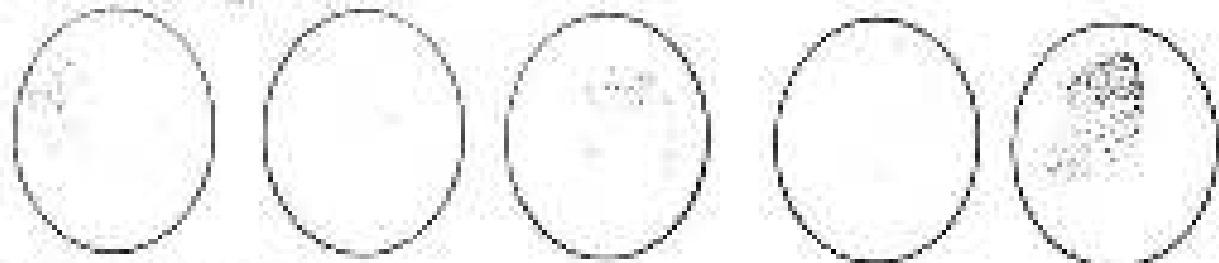
प्रमाणित किया गया नाम व पता -

रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा - 32 एड के अनुपालन हेतु रिजिस्ट्रार प्रिन्टर्स

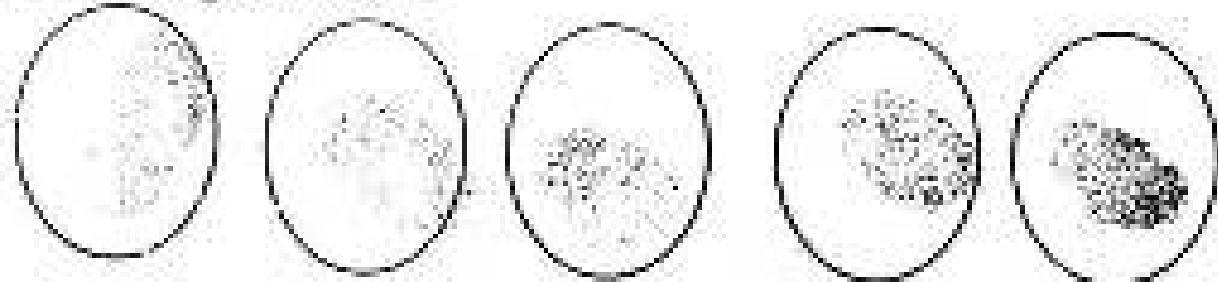
पञ्चायत का नाम व पता :-

पञ्चायत का नाम व पता :-
पञ्चायत का नाम व पता :-

पञ्चायत का नाम व पता :-



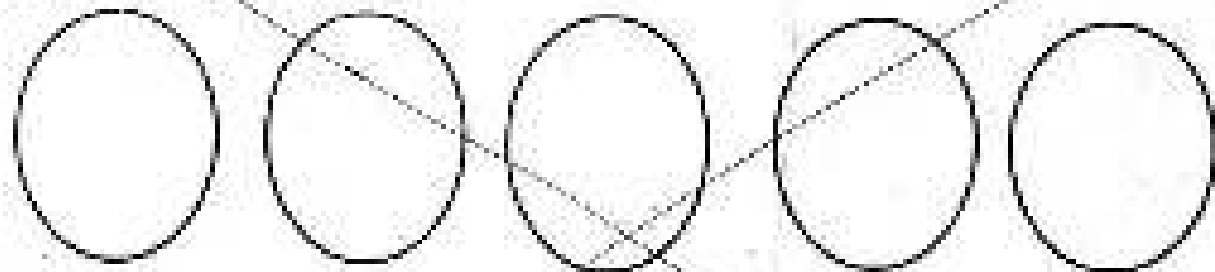
पञ्चायत का नाम व पता :-



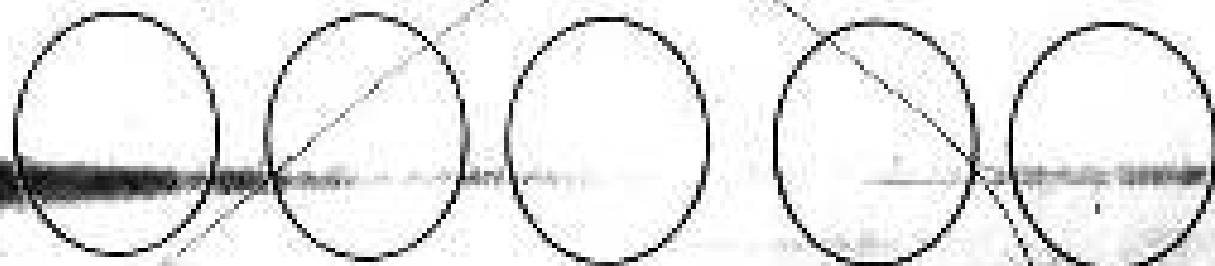
पञ्चायत का नाम व पता :-

पञ्चायत का नाम व पता :-

पञ्चायत का नाम व पता :-



पञ्चायत का नाम व पता :-



6/6/56
 धन १५
 प्रमाण रकम ५०००/-
 पु. सं. १५७७/५६
 रजिस्ट्री नं. १५७७/५६
 (१५७७/५६)
 डा. विमान-प्रधान
 लखनऊ

